

# पाठ 61

1. चरवाहों ने रात में अपनी भेड़ों की रक्षा कैसे की?

-सांझ से पहले, चरवाहों को चट्टानों या कांटों का एक कोरल बनाया जाएगा, और एक दरवाजे के रूप में एक खोलना होगा।

2. जब कोरल समाप्त हो गया, और चरवाहा ने अपनी भेड़ों को कोरल के अंदर झुकाया, तो चरवाहा सो जाएगा?

-चरवाहा उद्घाटन में सो जाएगा।

3. चरवाहा उद्घाटन में क्यों सो जाएगा?

-बाड़ा के अंदर भेड़ों की रक्षा के लिए।

4. यीशु का क्या मतलब था जब उसने कहा कि वह भेड़ों का दरवाजा था?

-जेस का मतलब था कि वह जिस तरह से वह मौत से बचाया जा सकता है।

5. यीशु की भेड़ कौन हैं?

-यह पता है कि उनके पाप मृत्यु के लिए कहते हैं, और जो उन्हें बचाने के लिए यीशु को बुलाते हैं।

6. कुछ लोग कहते हैं कि परमेश्वर के लिए कई दरवाजे हैं। यह सच है?

-नहीं। यह एक झूठ है।

7. नूह की नाव में एक दरवाजा हमें यीशु की याद दिलाता है?

-जस्ट के रूप में नूह की नाव में केवल एक दरवाजा था, इसलिए यीशु शाश्वत जीवन का एकमात्र दरवाजा है।

-जो लोग नूह की नाव में प्रवेश करने वाले लोगों को मौत से बचाया गया था, इसलिए जो लोग यीशु में विश्वास करते हैं उन्हें मौत से बचाया जाएगा।

8. चोर कौन है जो केवल चोरी और मारने और नष्ट करने के लिए आता है?

-सातन।

9. यीशु ने कहा कि वह अपनी भेड़ों से इतना प्यार करता था कि वह उनके लिए क्या करने के लिए तैयार था?

-यीशु उनके लिए मरने को तैयार था।

-एक दिन, लाजर, जो यीशु का मित्र था और बेथानी में रहता था, बीमार हो गया।

चलो यूहन्ना 11: 1-6 पढ़ें

1-अब लाजर नाम का एक आदमी बीमार था। वह बेथानी, मैरी के गांव और उसकी बहन मार्था से थे।

2-यह मैरी, जिसका भाई लाजर अब बीमार हो गया था, वही था जिसने परमेश्वर पर इत्र डाला और अपने बालों के साथ अपने पैरों को मिटा दिया।

3-तो बहनों ने यीशु को शब्द भेजा, "परमेश्वर, जिसे आप प्यार करते हैं वह बीमार है।"

4-जब उसने यह सुना, तो यीशु ने कहा, "यह बीमारी मृत्यु में खत्म नहीं होगी। नहीं, यह परमेश्वर की महिमा के लिए है ताकि परमेश्वर के पुत्र को इसकी महिमा हो सके। "

5-यीशु ने मार्था और उसकी बहन और लाजर से प्यार किया।

6-फिर भी जब उसने सुना कि लाजर बीमार था, तो वह रुक गया जहां वह दो और दिन था।

-जब लाजर बीमार हो गए, तो उनकी बहनों ने मेरी बहनों और मार्था ने यीशु को शब्द भेजा, जो बेथानी से बहुत दूर रह रहा था।

-यीशु ने लाजर की बीमारी के बारे में क्या कहा?

-यीशु ने कहा कि लाजर की बीमारी मृत्यु में खत्म नहीं होगी, लेकिन परमेश्वर की महिमा के लिए होगी।

-वेन यीशु ने सुना कि लाजर बीमार था, यीशु रहा, जहां वह दो और दिनों के लिए था।

-जब यीशु ने सुना कि लाजर बीमार था, यीशु ने तुरंत लाजर क्यों नहीं किया?

-क्योंकि यीशु अपने शक्तिशाली शक्ति को परमेश्वर के रूप में उद्धारकर्ता के रूप में दिखाना चाहता था।

-आप यीशु दूर से लाजर की बीमारी को ठीक करने में सक्षम हैं?

-हां।

-इसके बाद, यीशु ने अपने शिष्यों से बात की।

यूहन्ना 11: 7-8 और 11-16 पढ़ें

7-तब यीशु ने अपने शिष्यों से कहा, "हमें वापस जाने दो, यहूदिया।"

8-"लेकिन रब्बी," उन्होंने कहा, "कुछ समय पहले यहूदियों ने आपको पत्थर मारने की कोशिश की, और फिर भी आप वहां वापस जा रहे हैं?"

11-यीशु उन्हें बताने के लिए चला गया, "हमारे दोस्त लाजर सो गए हैं; लेकिन मैं उसे जगाने के लिए वहां जा रहा हूं। "

12-उसके शिष्यों ने जवाब दिया, "परमेश्वर, अगर वह सोता है, तो वह बेहतर हो जाएगा।"

13-यीशु अपनी मृत्यु से बात कर रहा था, लेकिन उसके शिष्यों ने सोचा कि उनका मतलब प्राकृतिक नींद है।

14-तो फिर उसने उन्हें स्पष्ट रूप से बताया, "लाजर मर चुका है,

15-और आपके लिए मुझे खुशी है कि मैं वहां नहीं था, ताकि आप विश्वास कर सकें। लेकिन हमें उसके पास जाने दो। "

16-फिर थॉमस (जिसे डिड्युमस कहा जाता है) ने बाकी शिष्यों से कहा, "आइए हम भी जाएं; हम उसके साथ मर सकते हैं। "

-जब यीशु ने शिष्यों से कहा कि वे यहूदिया लौट रहे होंगे, शिष्य क्यों डरते थे?

-क्योंकि यहूदिया में यहूदियों ने यीशु को पत्थर मारने की कोशिश की थी।

-जब यीशु ने उन शिष्यों से कहा कि लाजर की मृत्यु हो गई थी, शिष्यों ने यीशु को नहीं समझा।

-शिष्यों ने सोचा कि यीशु यहूदी नेताओं को मारने की अनुमति देने जा रहा था ताकि वह लाजर के साथ होगा।

-यह नहीं है यीशु का क्या अर्थ है।

-क्या हुआ जब यीशु और उसके शिष्य बेथानी लौट आए?

चलो यूहन्ना 11: 17-22 पढ़ें

17- उनके आगमन पर, यीशु ने पाया कि लाजर पहले से ही चार दिनों तक मकबरे में थे।

18-बेथानी यरूशलेम से दो मील से भी कम समय में थीं,

19- और कई यहूदी मार्था और मैरी के पास उनके भाई के नुकसान में उन्हें सांत्वना देने के लिए आए थे।

20-जब मार्था ने सुना कि यीशु आ रहा था, वह उससे मिलने गई, लेकिन मेरी घर पर रही।

21- "परमेश्वर," मार्था ने यीशु से कहा, "यदि आप यहां थे, तो मेरे भाई की मृत्यु नहीं हुई होगी।

22-लेकिन मुझे पता है कि अब भी परमेश्वर आपको जो कुछ भी पूछेंगे।  
"

-लाजर की बहन, मार्था ने यीशु से क्या कहा?

-मार्था ने कहा कि यदि यीशु वहां गया था, तो लाजर की मृत्यु नहीं हुई होगी।

-मार्था सोच रहा था कि अगर लाजर अभी भी जिंदा था, तो यीशु ने लाजर को ठीक कर दिया होगा।

-यीशु ने तब मार्था से क्या कहा?

चलो यूहन्ना 11: 23-24 पढ़ें

23-यीशु ने उससे कहा, "आपका भाई फिर से उठेगा।"

24-मार्था ने उत्तर दिया, "मुझे पता है कि वह आखिरी दिन फिर से पुनरुत्थान में फिर से बढ़ेगा।"

-यीशु ने मार्था को बताया कि वह अपने भाई लाजर को वापस जीवन में लाने जा रहा था।

-क्या मार्था समझती हैं?

-नहीं।

-मार्था ने सोचा कि यीशु अपने भाई लाजर को आखिरी दिन वापस जीवन में लाने जा रहा था।

-इस यीशु का क्या अर्थ है?

-नहीं।

-मार्था ने यीशु से कहा कि वह जानती थी कि लाजर को अंतिम दिन वापस जीवन में लाया जाएगा।

-मार्था का मतलब पिछले दिन तक क्या था?

-आखिरी दिन समय का अंत होगा जब मरने वाले सभी लोग जीवन में वापस लाए जाएंगे।



-आखिरी दिन, परमेश्वर उन सभी लोगों को लाएगा जो परमेश्वर द्वारा आंका जाने के लिए जीवन में वापस आ गए हैं।

-पिछले दिन, परमेश्वर सभी लोगों को उन पापों के लिए न्याय करेगा जो उन्होंने प्रतिबद्ध हैं।

-यीशु ने मार्था को क्या जवाब दिया?

युहन्ना 11: 25 पढ़ते हैं

25-यीशु ने उससे कहा, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।

-यीशु ने मार्था से क्या कहा?

-यीशु ने कहा कि वह पुनरुत्थान और जीवन था।

-जेसर मार्था को बता रहा था कि लाजर को आखिरी दिन के लिए मृतकों से वापस लाए जाने की प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ी थी।

-लाजर को मृतकों से उठाए जाने तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा?

-यीशु वहां था, और यीशु पुनरुत्थान और जीवन है।

-येशु के पास मरने वालों के लिए भी जीवन देने की शक्ति थी।

-क्या शैतान और उसके राक्षसों को मृतकों को जीवन मिलता है?

-नहीं।

-क्या स्वर्गदूतों को मृतकों को जीवन मिलता है?

-नहीं।

-हो अकेले मृतकों को जीवन दे सकते हैं?

-येशु जो ईश्वर है।

येशु ने तब मार्या से क्या कहा?

चलो युहन्ना 11: 25 बी -26 पढ़ें

25-येशु ने कहा, "जो मुझ पर विश्वास करता है वह जीवित रहेंगे, भले ही वह मर जाए;

26-और जो भी रहता है और मुझ पर विश्वास करता है वह कभी नहीं मर जाएगा। क्या आप इस पर विश्वास करते हैं? "

-येशु ने कहा कि जो कोई भी उस पर विश्वास करता है वह भी जीवित रहेंगे, भले ही वे मर जाएंगे।

-क्या एक आदमी भी मर सकता है, भले ही वह मर जाए?

-यीशु का क्या मतलब था?

-येशु कह रहा था कि जो भी उस पर विश्वास करता है वह कभी भी परमेश्वर से मर नहीं जाएगा, भले ही उनके शरीर मर जाएंगे।

-येशु कह रहा था कि जो भी उस पर विश्वास करता है, उनकी आत्माएं परमेश्वर के साथ रहने के लिए स्वर्ग जाएंगी, भले ही उनके शरीर मर जाएंगे।

-क्या मार्था ने फिर यीशु को जवाब दिया?

चलो युहन्ना 11:27 पढ़ते हैं

27- "हाँ, परमेश्वर," उसने उनसे कहा, "मेरा मानना है कि आप ईश्वर के पुत्र मसीह हैं, जो दुनिया में आए थे।"

-क्या मार्था का मानना है कि यीशु ईश्वर उद्धारकर्ता था?

-हां।

-तब, मार्था ने अपनी बहन मैरी को बुलाया।

चलो यूहन्ना 11: 28-38 पढ़ें

28- और उसने यह कहने के बाद, वह वापस चली गई और अपनी बहन मैरी को एक तरफ बुलाया। "शिक्षक यहाँ है," उसने कहा, "और आपके लिए पूछ रहा है।"

29-जब मैरी ने यह सुना, वह जल्दी से उठी और उसके पास गई।

30-अब यीशु ने अभी तक गांव में प्रवेश नहीं किया था, लेकिन अभी भी उस स्थान पर था जहां मार्था उससे मिले थे।

31-जब यहूदियों ने घर में मैरी के साथ किया था, तो उसे सांत्वना दी, उसने देखा कि वह कितनी जल्दी उठ गई और बाहर निकल गई, उन्होंने उसका पीछा किया, मान लीजिए कि वह वहां शोक करने के लिए कब्र पर जा रही थी।

32-जब मैरी उस स्थान पर पहुंची जहां यीशु उसे देखा और उसे देखा, वह अपने पैरों पर गिर गई और कहा, "हे प्रभु, अगर तुम यहाँ थे, तो मेरे भाई की मृत्यु नहीं हुई थी।"

33-जब यीशु ने उसे रोते हुए देखा, और यहूदियों ने जो भी उसके साथ आए थे, वह आत्मा और परेशानियों में गहराई से चले गए थे।

34-"तुमने उसे कहाँ रखा है?" उसने पूछा। "आओ और देखें, परमेश्वर," उन्होंने जवाब दिया।

35-यीशु रोया।

36-तब यहूदियों ने कहा, "देखें कि वह उससे कैसे प्यार करता था!:

37- लेकिन उनमें से कुछ ने कहा, "क्या वह अंधे आदमी की आंखों को खोला नहीं सकता है, इस आदमी को मरने से रोक दिया है?"

38-यीशु, एक बार और अधिक गहराई से चले गए, मकबरे में आए। यह प्रवेश द्वार के पार एक पत्थर के साथ एक गुफा थी।

-यीशु ने लाजर के मकबरे में आने पर क्यों रोया?

-क्योंकि यीशु ने अन्य लोगों को रोते हुए दुखी किया था।

-परमेश्वर दुखी है क्योंकि दुनिया में पाप है।

-परमेश्वर दुखी है क्योंकि दुनिया में मौत है।

-जब लोग चोट पहुंचते हैं, भगवान दुखी हो जाते हैं।

-जब लोग बीमार हो जाते हैं, भगवान दुखी हो जाते हैं।

-यह इसलिए है क्योंकि भगवान ने सभी लोगों को बनाया, और सभी लोगों को प्यार करता है।

-यीशु ने फिर लोगों को क्या बताया?

चलो यूहन्ना 11: 39-44 पढ़ें

39- "पत्थर को दूर करो," उसने कहा। "लेकिन, भगवान," मरे हुए आदमी की बहन मार्था ने कहा, "इस समय तक एक बुरी गंध है, क्योंकि वह वहां चार दिन रहा है।"

40-तब यीशु ने कहा, "क्या मैंने आपको नहीं बताया कि यदि आप मानते हैं, तो आप भगवान की महिमा देखेंगे?"

41-तो उन्होंने पत्थर को ले लिया। तब यीशु ने देखा और कहा, "पिताजी, मैं आपको धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे सुना है।

42-मुझे पता था कि आप हमेशा मुझे सुनते हैं, लेकिन मैंने यहां खड़े लोगों के लाभ के लिए कहा, कि वे विश्वास कर सकते हैं कि आपने मुझे भेजा है। "

43-जब उसने यह कहा था, यीशु ने जोरदार आवाज में बुलाया, "लाजर, बाहर आओ!"

44-मृत आदमी बाहर आया, उसके हाथ और पैर लिनन के स्ट्रिप्स और उसके चेहरे के चारों ओर एक कपड़े के साथ लपेटा। यीशु ने उनसे कहा, "कब्र के कपड़े उतारो और उसे जाने दो।"

यीशु ने क्या किया?

-परमेश्वर मकबरे के प्रवेश द्वार पर खड़ा था, और लाजर को मृतकों से जागने का आदेश दिया।

-क्या लाजर मृतकों से जागा?

-हां।

-क्या यीशु मृत लाजर को जीवन देने में सक्षम था?

-यीशु ने सभी जीवन बनाए।

-क्या यीशु ने लाजर को मृतकों से उठाने का फैसला क्यों किया?

-क्योंकि यीशु सभी लोगों को दिखाना चाहता था कि भगवान की मृत्यु पर भी शक्ति है।

-यीशु ने लाजर को मृतकों से वापस लाए जाने के बाद लोगों को क्या कहा?

चलो यूहन्ना 11: 45-48 पढ़ें

45- इसलिए कई यहूदियों जो मैरी जाने आए थे, और उन्होंने देखा था कि यीशु ने क्या किया, अपने विश्वास को उस पर रख दिया।

46- लेकिन उनमें से कुछ फरीसियों के पास गए और उन्हें बताया कि यीशु ने क्या किया था।

47- फिर मुख्य पुजारी और फरीसियों ने सैनशेड्रिन की एक बैठक कहा। "हम क्या पूरा कर रहे हैं?" उन्होंने पूछा। "यह आदमी कई चमत्कारी संकेतों का प्रदर्शन कर रहा है।

48- अगर हम उसे इस तरह जाने देते हैं, तो हर कोई उस पर विश्वास करेगा, और फिर रोमन आएंगे और हमारी जगह और हमारे देश दोनों को दूर करेंगे। "

-क्योंकि यीशु ने लाजर को मरे हुआओं में से उठाया, कुछ लोग यीशु में भगवान के रूप में उद्धारकर्ता के रूप में विश्वास करते थे।



-कारण यीशु ने लाजर को मरे हुआँ में से उठाया, कुछ लोग चले गए, और यीशु को मारने की योजना बनाई।

-जो यीशु को मारना चाहता था?

-मुख्य पुजारी और फरीसियों।

-जो मुख्य पुजारी और फरीसियों को यीशु को मारने के लिए नेतृत्व कर रहा था?

-सातन।

-मुख्य पुजारी और फरीसी यीशु को मारना क्यों चाहते थे?

-क्या वे बुराई थे।

-उन्होंने शैतान की बात सुनी और यीशु को नहीं।

-तो आप किसको सुनने जा रहे हैं, शैतान या यीशु?